

उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक लि०, प्रधान कार्यालय, लखनऊ।

परिपत्र सं० सी 65 / तक्र०प्र० / 18-19

दिनांक 2-11-18

समस्त शाखा प्रबन्धक/वरिष्ठ प्रबन्धक
उ०प्र०सहकारी ग्राम विकास बैंक लि०
उत्तर प्रदेश।

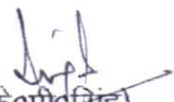
“अति आवश्यक”

विषय—डेयरी उद्यमिता विकास योजना (डीईडीएस)—अनुदान पर ब्याज की गणना तथा उपयोगिता प्रमाणपत्र प्रेषित करने सम्बन्धी विषयक।

नाबार्ड के पत्र संदर्भ सं० रा.बै./उ०प्र०क्षेका लख/डार-एलटी/717/जीएसएस(यूसी) 18-19 दि० 16.10.18 संलग्न द्वारा अवगत कराया गया है कि बैंक द्वारा विभिन्न योजनान्तर्गत वितरित ऋणों पर कतिपय शाखाओं द्वारा नाबार्ड से प्राप्त अनुदान पर भी अनुदान प्राप्त हो जाने के बाद भी) ब्याज की गणना की जा रही है जबकि नाबार्ड के निर्देश के अनुसार अनुदान की धनराशि प्राप्त होने के उपरान्त उक्त धनराशि घटाकर केवल अवशेष ऋण राशि पर ब्याज की गणना की जायेगी तथा जब तक नाबार्ड से अनुदान की धनराशि प्राप्त नहीं हो जाती है तब तक ही सम्पूर्ण ऋण राशि पर ब्याज की गणना की जायेगी।

2.नाबार्ड द्वारा विभिन्न पत्रों के माध्यम से ऋण उपयोगिता प्रमाणपत्र उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिये गये हैं। जिसके कम में आपको कार्यालय के परिपत्र संख्या सी 80/ तक्र०प्र०को०/ 17-18 दिनांक 11.01.18 द्वारा उपयोगिता प्रमाणपत्र उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया है किन्तु खेद का विषय है कि शाखाओं द्वारा इस निर्देशों का अनुपालन नहीं किया जा रहा है। उपरोक्त के आलोक में निर्देशित किया जाता है कि प्रत्येक दशा में अनुदान की धनराशि प्राप्त होते ही अनुदान घटाकर शुद्ध ऋण राशि पर ही ब्याज की गणना की जाए तथा प्राप्त अनुदान को लाभार्थी के ऋण में समायोजन करते हुए सदपयोगिता प्रमाणपत्र तत्काल तकनीकी अनुभाग को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

उपरोक्तानुसार कार्यवाही करना सुनिश्चित करें इसमें किसी भी प्रकार की त्रुटि/ शिथिलता होने व उसके कारण बैंक को कोई वित्तीय क्षति होने की स्थिति में उसका व्यक्तिगत उत्तरदायित्व शाखा प्रबन्धक का होगा।
संलग्नक—पश्चोपरि।



(के०पी०सिंह)

प्रबन्ध निदेशक

3

प्रतिलिपि— निम्नोक्त को आवश्यक कार्यवाही एवं सूचनार्थ हेतु प्रेषित—

- 1) समस्त मण्डलीय पर्यवेक्षक, उ०प्र०सहकारी ग्राम विकास बैंक लि०, प्रधान कार्यालय, लखनऊ को इस निर्देश के साथ कि अपने मण्डल की समस्त शाखाओं से उक्तानुसार कार्यवाही सम्पादित कराना सुनिश्चित करें।
- (2) समस्त जनपदीय प्रबन्धक, उ०प्र०सहकारी ग्राम विकास बैंक लि०, उ०प्र० को इस निर्देश के साथ कि इस परिपत्र की प्रति को अपने जनपद की समस्त शाखाओं को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
- (3) उप महाप्रबन्धक (कम्प्यू०), उ०प्र०सहकारी ग्राम विकास बैंक लि०, प्र०का०, लखनऊ को इस निर्देश के साथ कि इस परिपत्र को ई-मेल द्वारा समस्त जनपदीय प्रबन्धकों को प्रेषित कराना सुनिश्चित करें।


(अजय पाल सिंह)
महाप्रबन्धक(तकनीकी)